Downloaded From: http://www.cbseportal.com

हिन्दी

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 85
प्राप्तांक : 28

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

विशेष निर्देश :–

1) अपनी उत्तर–पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ के ऊपर बाईं ओर दिए गए वृत में प्रश्न–पत्र सीरीज़ अवश्य लिखिए।
2) प्रश्नों के उत्तर देते समय जो प्रश्न संख्या प्रश्न–पत्र पर दर्शाई गई है, उत्तर पुस्तिका पर वही प्रश्न–संख्या लिखना अनिवार्य है।
3) उत्तर पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़िए।

खण्ड – क

प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में किन्हीं दस के उत्तर लिखिए ।

आज की मौत कल पर ढकेलते–ढकेलते एक दिन ऐसा आ जाता है कि उस दिन मरना ही पड़ता है। यह 'प्रसंग' उन पर नहीं आता जो मरण के पहले मर लेते हैं। जो अपना मरण आंखों से देखते हैं, जो मरण का 'अगाऊ' अनुभव कर लेते हैं उनका मरण है और जो मरण के अगाऊ अनुभव से जी चुराते हैं उनकी छाती पर मरण आ पड़ता है। सामने खंभा है, यह बात अंधे को उस खंभे का छाती में प्रत्यक्ष धक्का लगने के बाद मालूम होती है। आंख वाले को यह खंभा पहले ही दिखाई देता है। अतः उसका धक्का उसकी छाती को नहीं लगता ।

जिंदगी की जिम्मेदारी कोई गिरी मौत नहीं है और मौत कौन ऐसी बड़ी मौत है? अनुभव के अभाव से यह सारा हौआ है जीवन और मरण दोनों आनन्द की वस्तु होनी चाहिए। कारण अपने परम प्रिय पिता ने –ईश्वर ने –वे हमें दिए हैं! ईश्वर ने जीवन दुखमय नहीं रचा! पर हमें जीवन जीना आना चाहिए! कौन पिता है, जो अपने बच्चों के लिए परेशानी की जिंदगी चाहेगा? तिस पर ईश्वर के प्रेम और करूणा का कोई पार है? वह अपने लाडले बच्चों के लिए सुखमय जीवन का निर्माण करेगा कि परेशानियों और झंझटों से भरा जीवन रचेगा? कल्पना की क्या आवश्यकता है? प्रत्यक्ष ही देखिए न, हमारे लिए जो चीज जितनी जरूरी है उसके उतनी ही सुलभता से

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

मिलने का इंतजाम ईश्वर की ओर से है। पानी से हवा ज्यादा जरूरी है, तो ईश्वर ने हवा को अधिक सुलभ किया है :जहां नाक है, वहां हवा मौजूद है।

पानी से अन्न की जरूरत कम होने की वजह से पानी प्राप्त करने की बजाय अन्न प्राप्त करने में अधिक परिश्रम करना पड़ता है। आत्मा सबसे अधिक महत्व की वस्तु होने के कारण, वह हर एक को हमेशा के लिए दे डाली गई है। ईश्वर की ऐसी प्रेम–पूर्ण योजना है। इसका ख्याल न करके हम निकम्मे, जड़ जवाहारात जमा करने में जितने जड़ बन जाएं, उतनी तकलीफ हमें होगी। पर यह हमारी जड़ता का दोष है, ईश्वर का नहीं ।

1) अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए।
2) मरण से पहले मरने का क्या तात्पर्य है ?
3) जीवन और मरण कैसे होने चाहिए ?
4) जीवन के लिए आवश्यक सुख दुख कौन प्रदान करता है ?
5) सबसे अधिक महत्वपूर्ण वस्तु कौन सी है ? वह कहां है ?
6) हमारी तकलीफों का जिम्मेदार कौन है ?
7) प्रत्येक व्यक्ति को निश्चित रूप से कभी न कभी क्या मिलनी है ?
8) आंख वाले को पहले कैसा खंभा दिखाई दे जाता है ?
9) ईश्वर ने जीवन कैसा नहीं रचा ?
10) ईश्वर सबके लिए सुखमय संसार क्यों रचता है ?
11) ईश्वर ने हमें क्या दिया है ?
12) हमारे दु:ख किसका परिणाम हैं ? 10

प्र0 2 अधोलिखित सन्दर्भ को पढ़ कर निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

चरित्र निर्माण जीवन की सफलता की कूंजी है। जो मनुष्य अपने चरित्र की ओर ध्यान देता है वही जीवन क्षेत्र में सफल होता है। चरित्र निर्माण से मनुष्य के भीतर ऐसी शक्ति जागृत होती है, जो उसे जीवन संघर्ष में विजयी बनाती है। ऐसा मनुष्य जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है। वह जहां भी जाता है, अपने चरित्र की शक्ति से अपना प्रभाव स्थापित कर लेता है। वह सहस्रों और लाखों के बीच में भी अपना अस्तित्व रखता है। उसे देखते ही लोग उसके व्यक्तित्व के सामने अपना मस्तक झुका लेते हैं। उसके व्यक्तित्व में सूर्य का तेज, आंधी की गति और गंगा के प्रवाह की अवाधता होती है।

क) उपयुर्क्त अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए।
ख) संदर्भ का एक तिहाई सार लिखिए।
ग) चरित्र निर्माण से मनुष्य के व्यक्तित्व में कैसा प्रभाव स्थापित होता है ? 2+3+2=7

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

खण्ड – ख

प्र0 3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए।

क) जीवन में परिश्रम का महत्व – भूमिका, परिश्रम का महत्व, आलस्य, परिश्रम, भाग्यवाद, उपसंहार।

ख) दीपावली – भूमिका, मनाने का कारण, राम का अयोध्या आना, महापुरूषों का निर्वाण दिवस, लक्ष्मी पूजन व्यसन, बुराइयां उपसंहार।

ग) प्रदूषण समस्या – भूमिका, प्रदूषण के प्रकार, प्रदूषण से हानियां, रोकने के उपाय, उपसंहार।

घ) स्वदेश प्रेम – भूमिका, स्वदेश प्रेम, स्वदेश का आकर्षण, स्वदेश की उन्नति, देश भक्त, राष्ट्रीयता, उपसंहार।

ड) हिमाचल की वन संपदा और उसकी सुरक्षा – भूमिका, फल और सब्जियों की उपलब्धि, जड़ी बूटियां, लकड़ी उद्योग, जीवन का आधार, सुरक्षा आवश्यक, उपसंहार। 7

प्र0 4 अपने प्रधानाचार्य / मुख्याध्यापक जी को सदाचार प्रमाण–पत्र प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मित्र को ग्रीष्मावकाश इकट्ठे बिताने के लिए पर्वतीय स्थलों की यात्रा करने के लिए आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए। 4

खण्ड – ग

प्र0 5. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के भेद लिखिए।

क) शीला खाना पका रही है।

ख) मालकिन नौकरानी से कपड़े धुलवाती है।

ग) लड़कियां रोने लगीं। 3

प्र0 6. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय छांटकर लिखिए।

क) नीना और रीना साथ साथ गईं।

ख) गोपाल कल दिल्ली जाएगा।

ग) मैं अभी आया। 3

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्र0 7 रचना के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद लिखिए।

क) सुबह पहली बस पकड़ो और शाम तक लौट आओ ।

ख) हाय ! यह क्या हो गया ।

ग) आपकी यात्रा मंगलमय हो। 3

प्र0 8 निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदल कर लिखिए।

क) मैं पत्र लिखता हूं। (कर्म वाच्य में)

ख) कृष्ण से पत्र नहीं लिखा गया । (कर्तृवाच्य में)

ग) मैं उठ नहीं सकता । (भाव वाच्य में) 3

प्र0 9 क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

दशानन, धूप–छांव

ख) 'गुरू' के दो भिन्नार्थक शब्द लिखिए। 3

खण्ड – घ

प्र0 10 निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए!
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए !
इक अति चतुर हुते पहिलै ही, अब गुरू ग्रंथ पढ़ाए!
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोगसंदेस पढ़ाए!
उधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए!
अब अपनै मन फेर पाइहै, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर' जो प्रजा न जाहिं सताए ।

क) उपर्युक्त पद का भाव स्पष्ट कीजिए।

ख) पुराने जमाने में सज्जन क्या किया करते थे ?

ग) सच्चा राज धर्म क्या माना गया है ?

घ) कृष्ण के व्यवहार में गोपियों की अपेक्षा क्या अन्तर था ?

अथवा

कितना प्रामाणिक था उसका दुःख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूंजी हो
लड़की अभी स्यानी नहीं थी।
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

लेकिन दु:ख बांचना नहीं आता था ।
पाठिका थी वह धुंधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयवद्ध पंक्तियों की।

क) अवतरण में निहित भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
ख) अंतिम पूंजी कौन थी और क्यों थी ?
ग) लड़की को किसका आभास हो जाता था ?
घ) लड़की को क्या नहीं करना आता था ? 6

प्र0 11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दजिए।

क) संगत कार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन–किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं?
ख) मां ने बेटी को क्या–क्या सीख दी?
ग) कवि की आंख फ़ागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?
घ) लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या–क्या विशेषताएं बताई हैं ? 2+2+2=6

प्र0 12 क) 'छाया मत छूना' कविता में कवि ने छाया किसे कहा है और इसे छूने से मना क्यों किया है ?
ख) मृगतृष्णा किसे कहते हैं, कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ?
2+2=4

प्र0 13 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

उस जमाने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थी, इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं थी, बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बड़ी शिद्दत के साथ यह महसूस होता है कि अपनी जिंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव के महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत 'पडोस कल्चर' से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है।

क) घर की दीवारों का पूरे मोहल्ले तक फैलने से क्या आशय है?
ख) वर्तमान 'फ्लैट कल्चर' में जीवन संकुचित और असहाय क्यों है ?
ग) परंपरागत पड़ोस कल्चर क्या था ?

अथवा

न जाने वह कौन सी प्रेरणा थी, जिसने मेरे ब्राह्मण का गर्वोन्नत सिर उस तेली के निकट झुका दिया था। जब–जब वह सामने आता, मैं झुककर उससे राम राम किये बिना नहीं रहता। मानो ये मेरे बचपन के दिन थे, किंतु ब्राह्मणता उस समय सोलहों कला से मुझ पर सवार थी।

क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
ख) बचपन में लेखक की क्या दशा थी ?
ग) लेखक गर्वोन्नत क्यों था ?

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

घ) लेखक का सिर किसके सामने और क्यों झुक गया ? 6

प्र0 14 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी ?

ख) खेती–बारी से जुड़े गृहस्थ बाल गोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे ।

ग) लेखिका के जीवन तथा व्यक्तित्व पर किन–किन व्यक्तियों का और किस रूप में प्रभाव पड़ा।

घ) तब की शिक्षा प्रणाली और अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अंतर है ? स्पष्ट करें।

2+2+2=6

प्र0 15 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए।

क) लेखक ने वास्तविक अर्थ में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे माना है ?

ख) 'यह भी एक कहानी में' लेखिका क्या कहना चाहती है?

ग) विस्मिल्ला खां को शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहा जाता है ?

2+2=4

प्र0 16 'माता का आंचल' शीर्षक की उपयुक्तता बताते हुए कोई अन्य शीर्षक सुझाइए।

अथवा

एक संवेदनशील युवा नागरिक की हैसियत से विज्ञान का दुरूपयोग रोकने में आपकी क्या भूमिका है? 4

प्र0 17 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क) भारत के स्वाधीनता आंदोलन में टुन्नु का क्या योगदान था?

ख) हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक पर किन दवावों का परिणाम थी ?

ग) आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति से किस तरह खिलवाड़ किया जा रहा है? इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए।

घ) भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है? 2+2+2=6